



GOVERNMENT OF TAMIL NADU

Hindi Reader हिन्दी रीडर

STANDARD - IV

चौथी कक्षा

Department Of School Education

Untouchability is Inhuman and a Crime

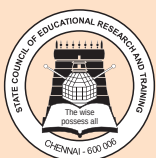
Government of Tamil Nadu

First Edition - 2019

Reprint - 2020, 2021,
2022, 2023, 2024

(Published under New Syllabus)

Content Creation



State Council of Educational Research
and Training

© SCERT 2019

Printing & Publishing



Tamil Nadu Textbook and Educational
Services Corporation

www.textbooksonline.tn.nic.in





प्रस्तावना

नई सोच, नई आशाओं के साथ पुस्तक वर्ग २, वर्ग ७, वर्ग १० और वर्ग १२ का सृजन किया गया है।

आगे के प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष के वातावरण में बच्चों का सम्यक शारीरिक एवं मानसिक विकास बहुत आवश्यक है ताकि वे भविष्य में आनेवाली चुनौतियों का मुकाबला आसानी से कर सकें। उनके लिए ज्ञान विज्ञान की बातें उतनी ही आवश्यक हैं जितनी साहित्य और कला संबंधी जानकारी देश विदेश में हो रही घटनाओं से परिचित होना अगर आवश्यक है तो जीवन जीने की व्यावहारिक कला में निपुण होना भी उतना ही आवश्यक है। इन बातों को ध्यान में रखकर ही इस श्रृंखला का सृजन किया गया है। छात्र छात्राओं का सर्वांगीण करना है।

श्रृंखला तैयार करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखा गया है।

- पाठों की प्रस्तुति के लिए विधा, कौतूहल और भाषा की सरलता आवश्यक है, यही समझते हुए ऐसे पाठों का चयन किया गया है जो बच्चों की जिज्ञासाओं एवं रुचियों को बढ़ावा दे सके। साहित्य की विभिन्न विधाओं से अवगत कराने हेतु कविताएँ, कहानियाँ, लेख, यात्रा वृत्तांत, हास्य कथा, एकांकी, साक्षात्कार, आत्मकथा, डायरी आदि को सम्मिलित किया गया है।
- पर्यावरण संरक्षण आज के युग की सबसे बड़ी माँग है। बच्चों को प्राथमिक कक्षाओं से ही पर्यावरण की समस्याओं एवं उसके संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के लिए पर्यावरण संबंधी कहानियों एवं कविताओं के साथ साथ समाचार पत्रों में छपे लेख, पोस्टर आदि को भी सम्मिलित किया गया है।
- बच्चों को पुस्तक के केंद्र में रखने के कारण ऐसे पाठों को ही चुना गया ताकि खेल खेल में, मनोरंजन करते हुए अपनी बात बच्चों तक पहुँचा सकें। कक्षा का वातावरण बोझिल न हो, इसलिए रुचिकर पाठों के साथ साथ चुटकुले, शब्द पहेली, चित्रकथाएँ आदि भी दिए गए हैं।
- समालोचनात्मक सोच, समस्या समाधान, प्रभावशाली संप्रेषण तथा रचनात्मक प्रवृत्ति जैसे कौशलों का विकास करने वाले कार्यकलापों को विशेष रूप से सम्मिलित किया गया है।
- भाषा ज्ञान के अंतर्गत व्याकरण को सम्मिलित कर लिया गया है ताकि वह अलग अलग न होकर उसके साथ जुड़ा रहे।
- मौखिक वार्तालाप, लिखित कार्य, समूह कार्य, संवाद प्रदर्शन आदि को ध्यान में रखते हुए अभ्यासों का निर्माण किया गया है। सतत एवं व्यापक मूल्यांकन करते समय इस विविधता को ध्यान में रखा जाए। मूल्यांकन करते समय प्रश्न कल्पनाशीलता को उभारें, विषयवस्तु को विस्तार प्रदान करने वाले हों, पाठ्यपुस्तक की परिधि से बाहर बृहतर परिधि को समेटने वाले हों, इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर ही अभ्यास में सभी प्रकार के प्रश्नों का समावेश किया गया है।

सीखने के वातावरण को आनंदमयी बनाए रखना अध्यापकों की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। कक्षा में विद्यार्थियों के संप्रेषण को महत्व दें। बच्चों अपनी बात बोलते समय न हिचकें। उन्हें बोलते अथवा लिखते समय जो भी सहायता चाहिए, प्रदान करें।

बच्चों के मनोविज्ञान, उनके मानसिक क्षितिज को समझते हुए, उनके जगत से तारतम्य बनाते हुए हमारी ओर से प्रयास है।





देशीयगीतम्

जन गण मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब सिन्धु गुजरात मराठा
द्राविड उत्कल बङ्गा
विन्ध्य हिमाचल यमुना गङ्गा
उच्छल जलधि तरङ्गा
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशिष मागे
गाहे तव जय गाथा
जन गण मङ्गल दायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे जय हे जय हे
जय जय जय जय हे !

महाकवि रवीन्द्रनाथ ठाकुरः

अस्पृश्यत्वम् अपचारः
अस्पृश्यत्वम् अपराधः
अस्पृश्यत्वम् अमानवधर्मः





तमिल माता की वंदना (तमिलताय वाळ्तु)

नीरारूम कडलुडुत्त निलमडन्दै केळिलोळुगुम
सीरारूम वदनमेन तिगळ भारत खंडमिदिल,
तेक्कणामुम अदिर्चिरन्द द्वाविडनल् तिरूनाडुम
तक्कचिरू पिरैनुदलुम तरित्तनरून्तिलकमुमे
अत्तिलक वासनैपोल अनैत्तुलगुम इन्बमुर
ऐत्तिशैयुम पुगळ मणाक्क इरून्द पेरुंद् तमिलअणंगे!
तमिलअणंगे!
उन सीर इलमै तिरम वियन्दु सेयलमरन्दु वाळ्तुदुमे!
वाळ्तुदुमे!
वाळ्तुदुमे!

‘मनोनमणियम’ पे. सुन्दरम पिल्लै





राष्ट्रिय प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है।

सब भारतवासी मेरे भाई-बहन हैं।

मैं अपने देश से प्रेम करता/करती हूँ।

इसकी समृद्ध एवं विविध संस्कृति पर मुझे गर्व है।

मैं सदा इसका सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न करता/करती रहूँगा/रहूँगी।

मैं अपने माता-पिता, शिक्षको एवं गुरुजनो का सम्मान करूँगा/करूँगी और प्रत्येक के साथ विनीत रहूँगा/रहूँगी।

मैं अपने देश और देशवासियों के प्रति सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करता/करती हूँ।

इनके कल्याण एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।





विषय सूची

पहला सत्र

1. वन्दना	02
2. सबसे पहले	04
3. हमारा देश	07
4. यात्रा के सुगम साधन	11
5. एकता का फल	15
6. बचत का जादू	18
7. बीरबल की चतुराई	21

दूसरा सत्र

8. झंडा ऊँचा रहे हमारा	25
9. कोई ला के मुझे दे	27
10. पर्यावरण	29
11. एक टोकरी भर मिट्टि	32
12. साहसी व्यक्ति	36
13. समय का महत्व	39

तीसरा सत्र

14. कौन	43
15. पेड़ लगाओ	45
16. सरदार वल्लभभाई पटेल	47
17. हरा – भरा केरल	51
18. सच्चा न्याय	55
19. किसका हंस	58





सत्र II, III

व्याकरण

20. व्याकरण	63
21. लिंग बताइए	65
22. वचन बताइए	66





Term I

पहला सत्र





हे प्रभु ! आनंद – दाता ज्ञान हमको दीजिए
शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिए

निंदा किसी की हम किसी से भूलकर भी न करें,
ईर्ष्या कभी भी हम किसी से भूलकर भी न करें,

हे प्रभु ! आनंद – दाता ज्ञान हमको दीजिए,
प्रेम से हम गुरुजनों की नित्य ही सेवा करें,

प्रेम से हम संस्कृति की नित्य ही सेवा करें,
हे प्रभु ! आनंद – दाता ज्ञान हमको दीजिए !



- रामनरेश त्रिपाठी



अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

दुर्गुण- बुरा गुण ज्ञान - जानकारी निंदा - परिहास
ईर्ष्या - जलन संस्कृति - आचरणगत परंपरा

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. वन्दना किसकी कविता है?
2. बच्चे भगवान से क्या प्रार्थना करते हैं ?
3. बच्चे किन गुणों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं ।
4. बच्चे भूलकर भी क्या करना नहीं चाहते हैं ।
5. बच्चे किसकी सेवा नित्य करना चाहते हैं ।

III. खाली जगह भरिये -

1. प्रेम से हम _____ को नित्य सेवा करो।
2. हे प्रभु _____ हम को दीजिए ।



आज उठा मैं सबसे पहले ।
सबसे पहले आज सुनूँगा ।
हवा सवेरे की चलने पर,
हिल, पत्तों का करना हर - हर
देखूँगा, पूरब में फैले बादल पीले, लाल सुनहले ।

आज उठा मैं सबसे पहले ।
सबसे पहले आज सुनूँगा ,
चिड़िया का डैने फडकाकर,
चहक - चहककर उडना फर-फर
देखूँगा, पूरब में फैले बादल पीले, लाल सुनहले ।

आज उठा मैं सबसे पहले ।
सबसे पहले आज सुनूँगा ,
पौधे- पौधे की डाली पर,
फूल खिले जो सुन्दर- सुन्दर
देखूँगा, पूरब में फैले बादल पीले, लाल सुनहले ।





आज उठा मैं सबसे पहले
सबसे कहता आज फिरूँगा,
कैसे पहला पत्ता डोला,
कैसे पहला पंछी बोला,
कैसे कलियों ने मुँह खोला,
कैसे पूरब ने फैलाए बादल पीले, लाल सुनहले
आज उठा मैं सबसे पहले ।



- हरिवंशराय बच्चन



अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

- | | |
|-------------------------|------------------------|
| 1. सुनहला – सोने के रंग | 2. फैलना – विकसित होना |
| 3. पत्ता – पर्ण | 4. बादल – मेघ |
| 5. फिरूँगा - घूमूँगा | |

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. 'सबसे पहले' कविता के कवि का नाम लिखिए ?
2. सबसे पहले कवि क्या करना चाहता है?
3. पत्ते किस प्रकार मिलते हैं?
4. बादलों का रंग कैसा है?
5. फूल कैसे खिलते हैं ?





III. खाली जगह भरिये –

1. चिड़िया का _____ फड़काकर ।
2. _____ उड़ना फर फर ।
3. _____ खले जो सुन्दर-सुन्दर ।
4. _____ की डाली पर ।
5. पूरब में फैले बादल _____ सुनहले ।





हमारा देश भारत है। यह बहुत प्राचीन और पवित्र देश है। हमारे देश के उत्तर में हिमालय पहाड़ है – दक्षिण में हिंद महासागर है, पूरब में बंगाल की खाड़ी है और पश्चिम में अरब सागर हैं। हमारा देश ऋषियों, मुनियों और महात्माओं का देश है। भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, ये सब भारत माता



के सपूत है। राणा प्रताप, वीर शिवाजी, लक्ष्मीबाई, महात्मा गाँधी – ये सभी महापुरुष यहीं पैदा हुए हैं।

हमारे देश की संस्कृति बहुत पुरानी और महान है। कहा जाता है कि संसार के दूसरे देश जब असभ्य रहते थे, तब हमारा देश सभ्यता के शिखर पर था। हमारी भाषाएँ बहुत पुरानी हैं और साहित्य उच्च कोटि का है। सभी प्रकार के शास्त्रों के निर्माण में हमारा देश हमेशा अग्रणी रहा है।

करीब 300 साल हमारा देश अंग्रेज़ों का गुलाम रहा। देश के सपूत नेताओं के अथक परिश्रम और त्याग से सन् 1947 में भारत आज़ाद हुआ। हमारा देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है।

हमारे देश में सभी धर्मों और जातियों के लोग रहते हैं। हमारे देश के लोग कई भाषाएँ बोलते हैं, फिर भी हम सब आपस में मिलकर रहते हैं। हम सबके अधिकार समान हैं।

हमारे देश का राष्ट्रीय झंडा तिरंगा है। जन-गण-मन- हमारा राष्ट्रगान है।





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

- | | |
|---------------------|-------------------|
| 1. पुराना – प्राचीन | 2. पवित्र – पुनीत |
| 3. संत – साधु | 4. संसार – दुनिया |
| 5. सभ्यता – शिष्टता | 6. अग्रणी - पहली |

II. विलोम शब्द लिखिए

- | | |
|-----------------------|------------------|
| 1. उत्तर x दक्षिण | 2. असभ्य x सभ्य |
| 3. गुलाम x मालिक | 4. पूरब x पश्चिम |
| 5. पवित्र x अपवित्र | 6. कई x कुछ |
| 7. महान x साधारण | 8. उच्च x निम्न |
| 9. महात्मा x दुरात्मा | 10. समान x असमान |

III. सही शब्द चुनकर लिखिए

1. भारत _____ देश है। (पवित्र / नया)
2. दक्षिण में _____ सागर है। (हिंद महा / अरब)
3. भारत सन् _____ में आजाद हुआ। (1947 /1937)
4. भारत के लोग _____ भाषाएँ बोलते हैं। (कई / कुछ)
5. हमारे अधिकार _____ है। (समान / असमान)





IV. वाक्यों को मिलाइए

- | | | |
|------------------------------|---|-------------------------------|
| 1. उत्तर में | - | प्रजातांत्रिक देश है। |
| 2. भारत की संस्कृति | - | तिरंगा है। |
| 3. हमारे देश में | - | हिमालय पहाड़ है। |
| 4. हमारे देश का राष्ट्र झंडा | - | सभी धर्म, जातियों के लोग हैं। |
| 5. हमारा देश | - | बहुत पुरानी है। |

V. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. भारत कैसा देश है ?
2. भारत के पूरब में क्या है ?
3. हमारे देश की संस्कृति कैसी है?
4. भारत कब आज़ाद हुआ ?
5. हमारा देश किसका गुलाम रहा?
6. हमारी संस्कृति कैसी है ?



यात्रा के सुगम साधन आधुनिक विज्ञान की देन है। विज्ञान ने यात्रा की दूरी कम कर दी है। प्राचीन काल में यात्रा तीर्थस्थान की होती थी। वर्तमान में यात्रा पर्यटनस्थल की हो गई है। यात्रा मौसमी हो गई है। जैसे – स्कूल में शैक्षिक यात्रा,



मंदिरों में मानसरोवर यात्रा, अमरनाथ यात्रा, शबरीमला यात्रा आदि। यात्रा के लिए पूर्व तैयारी होनी चाहिए। बिना पूर्व तैयारी यात्रा कठिन हो जाती है। यात्रा के लिए नियम का पालन आवश्यक है। मौसम के अनुरूप आवश्यक चीजों को साथ रखना चाहिए। आजकल हवाई यात्रा सस्ती एवं सुगम हो गयी है। कम समय में दूरी माप लेते हैं। यात्रा के विभिन्न साधन हैं रेल, बस, कार, जहाज़ आदि।

अपनी-अपनी सुविधानुसार श्रेणीक्रम में सभी यात्रा करते हैं। प्राचीन काल में एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए पैदल यात्रा करते थे। पहाड़ों पर चढ़ने के लिए घोड़ों का उपयोग करते थे। नदी पार करने के



लिए नाव का उपयोग करते थे। समुद्र पार करने के लिए जहाज़ का उपयोग करते थे। समय के अभाव



के कारण हम अपनी शक्ति के अनुसार यात्रा का साधन आजकल तय कर लेते हैं। यात्रा के सभी वाहनों में खाने-पीने की सुविधा होती है।



यात्री सहायक केन्द्र यात्रा को सुगम बनाते हैं। यात्रा आपसी सम्बंध को मज़बूत करती है। भाषाई समस्या को दूर करती है। सूचना प्रसार ने यात्रा को बहुत ही आसान बना दिया है। घर बैठे-बैठे वाहन की स्थिति का पता चल जाता है। मौसमी सूचना के अनुसार यात्रा को बढ़ाया या स्थगित किया जा सकता है। जहाजों में यात्रियों की सुविधा के लिए मनोरंजन कार्यक्रम का



आयोजन भी है। उड़ानों में टी.वी का प्रबन्ध है। प्राचीन काल की यात्रा बैल गाड़ी से होता था। आज परिस्थिति बदल गई है। काल-टैक्सी, शेर ऑटो आदि ने क्रांति मचा दी है। किराया

भी कम हो गया है और यात्रा भी सुगम हो गई है।

शैक्षिक यात्रा छात्रों के ज्ञान एवं आत्मबल को बढ़ाती है। भौगोलिक परिस्थिति को देखकर समझ लेते हैं। वाहनों की समय-सारणी यात्रियों का मार्ग निर्देश करती हैं।





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ –

- | | | |
|--------------------|---------------------|---------------------|
| 1. पर्यटन – यात्रा | 2. सुगम – सरल | 3. साधन-वाहन |
| 4. देन – वरप्रसाद | 5. अनुरूप – अनुसार | 6. उपयोग – प्रयोग |
| 7. समुद्र – सागर | 8. प्राचीन – पुराना | 9. वर्तमान – आधुनिक |
| 10. काल – समय | | |

II. विलोम शब्द लिखिए

- | | |
|----------------------|--------------------|
| 1. आवश्यक x अनावश्यक | 2. उपयोग x अनुपयोग |
| 3. सस्ता x महंगा | 4. प्राचीन x नवीन |
| 5. सुगम x कठिन | 6. अधूरी x पूरी |
| 7. चढना x उतरना | 8. भाव x अभाव |
| 9. सुविधा x असुविधा | 10. मजबूत x कमजोर |
| 11. बढ़ाना x घटाना | |

III. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. यात्रा के सुगम साधन क्या-क्या हैं?
2. यात्रा कितने प्रकार की होती हैं ?
3. यात्रा को सुगम बनाने के लिए क्या करना चाहिए?
4. हवाई यात्रा से क्या लाभ हैं?
5. यात्रा से क्या-क्या लाभ हैं?
6. प्राचीन काल में लोग एक स्थान से दूसरे स्थान कैसे जाते थे?





IV. खाली जगह भरिए –

1. नदी पार करने के लिए _____ का उपयोग करते हैं।
2. समुद्र पार करने के लिए _____ का उपयोग करते हैं।
3. यात्रा के लिए _____ पालन आवश्यक है।
4. _____ के अनुरूप आवश्यक चीज़ों को साथ रहना चाहिए।
5. आजकल हवाई यात्रा _____ एवं _____ हो गया है।
6. प्राचीन काल में यात्रा _____ की होती थी।



एक दिन एक शिकारी शिकार खेलने जाल लेकर जंगल में गया। एक जगह पर उसने चावल के दाने छिड़के। उनपर जाल बिछाकर झाड़ियों के बीच छिपकर बैठ गया।



थोड़ी देर में आसमान में कबूतरों का एक झुंड उड़ता हुआ आया। उस झुंड का मुखिया चित्रग्रीव था। वह बड़ा बुद्धिमान था। जब कबूतरों ने चावल के दाने देखकर नीचे उतरना चाहा तब चित्रग्रीव ने कहा – इतने घने जंगल के बीच चावल के दाने कहाँ से आये ? यह सोचने की बात है। बिना सोचे उतरेंगे, तो विपत्ति में फँस जाएँगे।

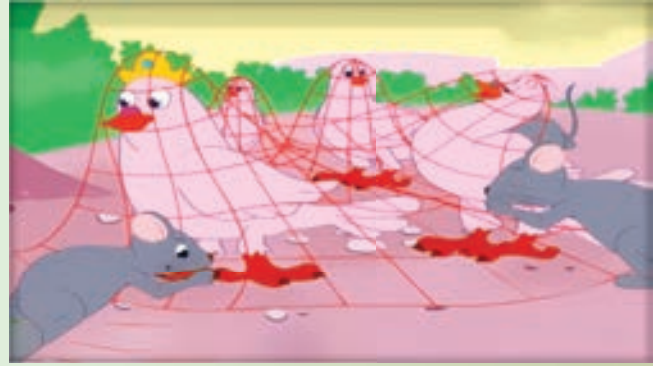
यह सुनकर एक छोटे कबूतर ने कहा – क्या हम खाने के लिए भी आजाद नहीं हैं ? इतनी छोटी बात पर भी संदेह करेंगे तो जीना मुश्किल हो जाएगा। अब की बार आपकी बात हम नहीं मानेंगे। उस छोटे कबूतर की बात बाकी कबूतरों को अच्छी





लगी। सब कबूतर दाने चुगने नीचे उतरे, तो जाल में फँस गये।

उस सभी कबूतर छोटे कबूतर की निंदा करने लगे।



चित्रग्रीव ने कहा – विपत्ति के समय में ही हमें धैर्य रखना चाहिए। किसी की निंदा करने से विपत्ति दूर नहीं होती। सब एक साथ मिलकर उड़ना शुरू करो। बाद में बचने का उपाय सोचेंगे। यह सुनकर सभी कबूतर एक साथ जाल लेकर ऊपर उड़े। शिकारी ने कुछ दूर तक उनका पीछा किया। लेकिन कबूतर उसकी आँखों से ओझल हो गए। बेचारा शिकारी निराश होकर घर लौटा। कबूतर जाल के साथ उड़ते उड़ते एक नदी के किनारे उतरे। वहाँ चित्रग्रीव का एक दोस्त चूहा रहता था। चित्रग्रीव की





आवाज सुनकर चूहा खुश हुआ। उसने अपने पैने दाँतों से जाल काटकर सब कबूतरों को आजाद किया।



अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ –

- | | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| 1. जगह – स्थान | 2. झुंड – भीड़ | 3. विपत्ति – कष्ट |
| 4. आजाद – स्वतंत्र | 5. मुश्किल – कष्ट | 6. निंदा – परिहास |
| 7. आज़ाद – स्वतंत्र | 8. बिछाकर – फैलाकर | 9. ओंझल - छिप |

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. आसमान से क्या उड़ता हुआ आया ?
2. चित्रग्रीव ने क्या कहा?
3. शिकारी क्यों निराश होकर घर लौटा ?
4. चूहे ने कबूतरों को कैसे आज़ाद किया ?
5. कबूतरों का मुखिया कौन था ?
6. एकता का फल कैसे होता है?



फैक्टरी के भोपू की आवाज आ रही थी। मूँगफलीवाला फैक्टरी के फाटक के बाहर बैठा, मूँगफली से भरे लिफाफे सजा रहा था। बस ! अब उसके ग्राहक आने ही वाले थे।



तभी कई श्रमिक बाहर निकले। कुछ मूँगफलीवाले से मूँगफली खरीदने लगे और कुछ इधर उधर टहलने लगे।

मूँगफलीवाला जल्दी जल्दी सबको मूँगफली के पैकेट पकड़ा रहा था और पैसा लेते जा रहा था। बीच बीच में वह कहता – मूँगफली ले लो, मूँगफली। गरम-गरम और ताजी भुनी मूँगफली। ले लो। मूँगफली।

जैसे ही मूँगफलीवाले का हाथ कुछ खाली हुआ, उसने “देखा – आज रामप्रसाद कुछ उदास खड़ा है”। रामप्रसाद रोज उससे मूँगफली खरीदता था। दोनों में कुछ जान-पहचान हो गई थी। वे एक-दूसरे का हाल-चाल भी पूछते रहते हैं। मूँगफलीवाले ने पूछा “क्यों भाई रामप्रसाद – आज मूँगफली नहीं लेनी? इतने उदास क्यों हो ? सब ठीक ठीक तो हैं ? “हाँ – हाँ” – कहते हुए रामप्रसाद ने हाथ के पैसे आगे बढ़ाए। मूँगफली का पैकेट देते हुए, मूँगफलीवाले ने फिर पूछा – भाई ! क्या बात है? मुझे बताते क्यों नहीं?

रामप्रसाद अनमने स्वर में बोला – मेरा बेटा मोहन पाँचवी कक्षा में



प्रथम आया है। वह आगे पढ़ना चाहता है।

मूँगफलीवाला बोला – “बधाई हो। वाह! यह तो बड़ी खुशी की बात है, पर तुम उदास क्यों हो?”

रामप्रसाद ने कहा, भाई! तुम समझते नहीं हो। इतनी थोड़ी सी तनख्वाह में से उसे पढाऊँ तो परिवार को कहाँ से खिलाऊँगा? तभी फैक्टरी को भोपू फिर बज उठा। भोजन का समय समाप्त हो चुका था। सभी भीतर जाने लगे। रामप्रसाद भी चला गया। रामप्रसाद हर रोज मूँगफली लेता। कुछ दिन बाद मूँगफलीवाला एक बड़ा-सा मूँगफली का लिफाफा रामप्रसाद के हाथ में थमाते हुए बोला – ‘लो भाई रामप्रसाद, मूँगफली ले लो।’

रामप्रसाद चौंककर बोला – इतनी सारी क्यों? मूँगफलीवाला बोला – ले, लो तुम्हारी ही है। “मेरी कैसे?” “भाई मैं रोज तुम्हारे लिफाफे में से कुछ मूँगफलियाँ निकालकर इस लिफाफ़ा में इकट्ठी करता रहा। आज इतनी सारी हो गई”, मूँगफलीवाला मुस्कुराते हुए बोला। रामप्रसाद ने ध्यान से उसे देखा और पूछा “तुम कहना क्या चाहते हो? मुझे कुछ समझ नहीं आया।”

मूँगफलीवाला बोला – भाई! इसी तरह खर्च में थोड़ी – थोड़ी कटौती करके, तुम अपने बच्चे को पढा सकते हो। यह है – बचत का जादू।

रामप्रसाद बोला, “वाह! यह तो तुमने खूब कहीं”। वह मुस्कुराता हुआ फैक्टरी के फाटक की ओर बढ़ गया।





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ –

- | | |
|------------------------|--------------------------------|
| 1. ग्राहक – खरीदनेवाला | 2. अनमना – बिना इच्छा से |
| 3. श्रमिक – मजदूर | 4. कटौती करना – कम करना, बचाना |

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. रामप्रसाद उदास क्यों था ?
2. मूँगफलीवाले ने रामप्रसाद को क्यों बधाई दी?
3. मूँगफलीवाले ने रामप्रसाद को कैसे समझाया?
4. रामप्रसाद के मुस्कराहट का कारण क्या था ?
5. बजत का जादू क्या है?
6. बचत का जादू कब काम आता है?

III. विलोम शब्द लिखिए

- | | | |
|------------------|--------------------|-----------------------|
| 1. खर्च x वचत | 2. आय x व्यय | 3. कम x ज्यादा |
| 4. खुश x नाखुश | 5. अंधकार x प्रकाश | 6. प्रसन्न x अप्रसन्न |
| 7. प्रथम x अंतिम | 8. समाप्त x आरंभ | |



एक दिन शाहँशाह अकबर अपने महल में बैठे हुए थे। उनके साथ उनके नवरत्न (मुख्य दरबारी) भी बैठे हुए थे। अकबर अपने नवरत्नों से अक्सर तरह-तरह के प्रश्न पूछते रहते थे। इस प्रकार प्रश्न पूछकर उनके ज्ञान की परीक्षा लेते थे।

एक दिन अपने नवरत्नों से प्रश्न पूछे “कौन सा फूल सबसे अच्छा होता है ? किस फूल की मिठास सबसे अच्छी होती है ? कौन सा पत्ता सबसे अच्छा है?”

सबने अपने पंसद के अनुसार अलग-अलग उत्तर दिया। एक को गुलाब





का फूल सबसे अच्छा होता है, तो किसी ने बताया चमेली का। किसी को गाय का दूध अच्छा लगता था तो किसी को बकरी का। कुछ ने गन्ने को मिठास को सबसे अच्छा कहा, तो किसी ने नीम के पत्तों को। अच्छे राजा के बारे में भी सबकी राय अलग अलग थी। जो राजा की चापलूसी करनेवाले थे उन्होंने तो अकबर को ही सबसे अच्छा राजा बता दिया।

अकबर को सभी उत्तर अच्छे लगे, लेकिन बीरबल बिलकुल चुप थे। अकबर ने उनसे भी उत्तर देने के लिए कहा। कुछ देर तक बीरबल सोचते रहे, फिर बोले “बादशाह ! कपास का फूल सबसे बढ़िया होता है। उसी से हम सबको शरीर ढकने के लिए कपड़ा मिलता है। माँ का दूध सबसे अच्छा होता है, क्योंकि उसे पीकर बच्चा मजबूत बनता है। मधुर वचन ही अच्छी होती हैं, क्योंकि इसी बल पर व्यक्ति बड़े-से-बड़े शत्रु को भी अपने वश में कर लेता है। पत्तों में पान का पत्ता बढ़िया होता है, उसे शत्रु को खिलाने से वह भी मित्र बन जाता है। पान का बीड़ा उठाने पर हर आदमी ईमानदारी से अपना वचन निभाता है। राजाओं में सबसे अच्छे राजा इंद्र ही है। इंद्र की कृपा से ही आकाश में से वर्षा रूपी अमृत बरसता है।”

बीरबल का उत्तर सुनकर अकबर खुश हुए। सभी ने बीरबल की चतुराई पर बहुत प्रशंसा की।



अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ –

- | | |
|-----------------|---------------|
| 1. मिठास – मीठा | 2. गन्ना – ईख |
| 3. कपास – रुई | |





II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. ज्ञान की परीक्षा के लिए अकबर क्या करते थे?
2. नवरत्नों ने किस फूल को अच्छा बताया ?
3. अकबर ने किसे उत्तर देने के लिए कहा ?
4. दुश्मन भी मित्र कब बन जाता है ?
5. बीरबल ने किसकी मिठास को सबसे अच्छा कहा और क्यों ?
6. बीरबल ने किस फूल को अच्छा कहा और क्यों?

III. खाली जगह भरिये –

1. अकबर के साथ उनके _____ भी बैठे हुए थे ।
2. अकबर अपने नवरत्नों से _____ पूछते रहते थे ।
3. बीरबल बिलकुल _____ बैठे थे ।
4. सबसे अच्छा फूल _____ का होता है ।

IV. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए –

1. महल में कौन बैठा था ?
1. अकबर 2. बीरबल 3. दरबारी 4. कोई नहीं
2. किसका पत्ता सबसे अच्छा होता है ?
1. नीम का 2. आम का 3. पान का 4. केले का
3. बीरबल ने सबसे अच्छा फूल कौन सा बताया ?
1. कमल का 2. गुलाब का 3. चमेली का 4. कपास का
4. इंद्र की कृपा से क्या होता है ?
1. बादल बनते हैं 2. वर्षा होती है
3. चंद्रमा चमकता है 4. सूर्य चमकता है





Term II

दूसरा सत्र



झंडा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झंडा ऊँचा रहे हमारा ॥

सदा शक्ति बरसानेवाला,
प्रेम सुधा सरसानेवाला
वीरों को हर्षानेवाला ।
मातृ भूमि का तन-मन-सारा
झंडा ऊँचा रहे हमारा ॥



शान न इसकी जाने पावे,
चाहे जान भले ही जावे,
विश्व विजय करके दिखलावे
तब होवे प्रण पूर्ण हमारा ॥
झंडा ऊँचा रहे हमारा !!



- श्यामलाल गुप्त पार्षद



अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

झंडा - ध्वज	तिरंगा - तीन रंग वाला	विश्व - दुनिया
सुधा - अमृत	शक्ति - बल	हर्ष - आनंद
निर्भय - निडर	मातृ भूमि - जन्म भूमि	ध्येय - लक्ष्य
स्वतंत्रता - आज़ादी	शान - मर्यादा, इज्जत	जान - प्राण
स्वराज - आज़ादी, अपना राज		

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. झंडा ऊँचा रहे हमारा के कवि का नाम लिखिए ?
2. झण्डा कैसे रहना चाहिए?
3. तिरंगा झण्डा किसका प्यारा है ?
4. झंडा क्या बरसाता है?
5. हमारा प्राण क्या होना चाहिए ?
6. झण्डा किसको हर्षाता है?



कुछ रंग भरे फूल
कुछ खट्टे – मीठे फल
थोड़ी बाँसुरी की धुन
थोड़ा जमुना का जल
कोई ला के मुझे दे !



एक सोना जड़ा दिन
एक रूपों भरी रात
एक फूलों भरा गीत
एक गीतों भरी बात
कोई ला के मुझे दे !



एक छाता छाँव का
एक धूप की घड़ी
एक बादलों का कोट
एक दूब की छड़ी
कोई ला के मुझे दे !



- दामोदर अग्रवाल



अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

- | | | |
|------------------|----------------|----------------|
| 1. सवाल – प्रश्न | 2. फूल – पुष्प | 3. धुन – आवाज़ |
| 4. जल – पानी | 5. बात – विषय | 6. छाता – छतरी |
| 7. दूब – घास | 8. छाँव – छाया | 9. जड़ा - लोग |

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. 'कोई ला के मुझे दें' कविता के कवि का नाम लिखिए?
2. फूल कैसे हैं ?
3. कवि ने क्या क्या ला देने के लिए कहा?
4. फल कैसे हैं?
5. कवि को क्या-क्या चाहिए ?
6. कवि को किस का जल चाहिए?





गद्य

10

पर्यावरण



हमारे आस-पास तरह तरह के जीव- जंतु हैं, पेड़-पौधे हैं, नदी – तालाब हैं, पर्वत- चट्टान हैं। ये सजीव भी हैं और निर्जीव भी हैं। ये हमारे चारों ओर हैं। हम इनके बीच में ही रहते हैं। ये सब हमारे आवरण हैं, इसलिए इन सबको मिलाकर हम पर्यावरण कहते हैं।

सबसे पहली बात है, हमारा पर्यावरण साफ रहे, स्वच्छ रहे, तो हम निरोग रहेंगे। निरोग रहेंगे तो सभी प्रकार की उन्नति कर सकते हैं। हमारे घर, गली, गाँव, शहर और देश में कूड़ादान नदी है। हमें अपने घर, गली, गाँव शहर और देश को गंदा नहीं करना है, साफ रखना है। यह हमारा बड़ा कर्तव्य है।

तकनीकी प्रगति बड़ी चीज है, हम मानते हैं। हमें ध्यान रखना है कि





वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मिट्टी प्रदूषण, वनों की कटाई आदि से बचकर हमें तकनीकी प्रगति की ओर जाना है। हमें प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा के लिए शपथ लेनी है।

पर्यावरण की रक्षा के लिए पोली बैग पालीथीन का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। पानी, बिजली, पेट्रोल, डीजल आदि का उपयोग बहुत कम करना चाहिए। पर्यावरण की रक्षा में वर्षाजल संरक्षण और वृक्षारोपण का महत्वपूर्ण स्थान है। कचरे को कूड़ेदान में ही जमा करना चाहिए।

पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।



अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ –

- | | | |
|-------------------------|---------------------|---------------------|
| 1. उन्नति – प्रगति | 2. कर्तव्य - फर्ज | 3. प्रदूषण – मिलावट |
| 4. संसार – जग | 5. सुरक्षा – रखवाली | |
| 6. आस-पास – निकट, नजदीक | | |

II. विलोम शब्द लिखिए

- | | | |
|-------------------|--------------------|---------------------|
| 1. पास x दूर | 2. रोगी x निरोगी | 3. स्वस्थ x अस्वस्थ |
| 4. कम x ज्यादा | 5. ठीक x गलत | 6. काटना x जोड़ना |
| 7. दूषण x प्रदूषण | 8. कम x ज्यादा | 9. साफ x गंदा |
| 10. गाँव x शहर | 11. सजीव x निर्जीव | 12. स्वच्छ x गंदा |





III. कोष्ठक से सही शब्द चुनकर लिखिए

1. हम निरोगी रहेंगे तो सभी प्रकार की _____ कर सकते हैं।
(उन्नति / अवगति)
2. हमें अपने घर, शहर को _____ रखना है। (गंदा / साफ़)
3. हर साल _____ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।
(5 जून / 4 जुलाई)
4. बिजली, पेट्रोल आदि का उपयोग _____ करना पर्यावरण की रक्षा के लिए आवश्यक है। (कम / ज्यादा)
6. वन को _____ पर्यावरण बिगड़ जाता है। (काटने से / सुरक्षित रखने से)

IV. वाक्यों को मिलाइए –

- | | | |
|---------------------|---|------------------------------|
| 1. हमारे आसपास | - | हमारे आवरण हैं। |
| 2. जीव जंतु | - | कम करना चाहिए। |
| 3. पर्यावरण साफ रहे | - | कूड़ेदान में जमा करना चाहिए। |
| 4. कचरे को | - | तरह तरह के जीव जंतु हैं। |
| 5. पानी का उपयोग | - | तो हम निरोगी रहेंगे। |

V. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. हमारा पर्यावरण कैसा होना चाहिए ?
2. विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है ?
3. हमें अपने घर और देश को कैसा रखना चाहिए ?
4. पर्यावरण की रक्षा कैसे करनी चाहिए ?
5. प्रदूषण कितने प्रकार के हैं? वे क्या-क्या हैं?
6. हमारे आवरण क्या-क्या है ?



किसी जमींदार के महल के पास एक गरीब अनाथ विधवा की झोंपड़ी थी। जमींदार साहब को अपने महल का हाता उस झोंपड़ी तक बढाने की इच्छा हुई। विधवा से बहुतेरा कहा कि अपनी झोंपड़ी हटा ले, पर वह तो कई जमाने से वहीं बसी थी। उसका प्रिय पति और इकलौता पुत्र भी उसी झोंपड़ी में मर गये थे। पतोहू भी पाँच बरस की एक कन्या को छोडकर चल बसी थी। अब वह पोती ही इस वृद्धा अवस्था में उसका एक मात्र आधार थी।



जब उसे अपनी पूर्व स्थिति की याद आ जाती तो मारे दुःख के फूट-फूटकर रोने लगती थी। और जब से उसने अपने श्रीमान् पडोसी की इच्छा का हाल सुना, तब से वह मृतप्राय हो गई थी। उस झोंपड़ी में उसका मन लग गया था कि बिना मरे वहाँ से वह निकलना नहीं चाहती थी। जमींदार के सब प्रयत्न निष्फल हुए तब वे अपनी जमींदारी चाल चलाने लगे। बाल की खाल निकालने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत से झोंपड़ी पर



अपना कब्जा कर लिया और विधवा को वहाँ से निकाल दिया। बेचारी अनाथ तो थी ही। छपास-पडोस में कहीं जाकर रहने लगी।



एक दिन श्रीमान् उस झोंपड़ी के आसपास टहल रहे थे और लोगों को काम बतला रहे थे कि वह विधवा हाथ में एक टोकरी लेकर वहाँ पहुँची। श्रीमान् ने उसको देखते ही अपने नौकरों से कहा कि उसे यहाँ से हटा दो। पर वह गिड गिडाकर बोली, महाराज अब तो यह झोंपड़ी तुम्हारी ही हो गई है।

मैं उसे लेने नहीं आई हूँ। महाराज क्षमा करें तो एक विनती है। “जमींदार साहब को सिर हिलाने पर उसने कहा, जब से यह झोंपड़ी छूटी है, तब से मेरी पोती ने खाना पीना छोड़ दिया है। मैंने बहुत-कुछ समझाया, पर वह एक नहीं मानती। यही कहा करती है कि अपने घर चल वहीं रोटी खाऊँगी। अब मैंने यह सोचा कि इस झोंपड़ी में से एक टोकरी-भर मिट्टी लेकर उसी का चूल्हा बनाकर रोटी पकाऊँगी। इससे भरोसा है कि वह रोटी खाने लगेगी। महाराज कृपा करके आज्ञा दें तो इस टोकरी में मिट्टी ले जाऊँ। श्रीमान् ने आज्ञा दे दी।”

विधवा झोंपड़ी के भीतर गई। वहाँ जाते ही उसे पुरानी बातों का स्मरण हुआ और उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी। अपने आंतरिक दुःख को किसी तरह संभालकर उसने अपनी टोकरी में मिट्टी भर ली, और हाथ से उठाकर बाहर ले आई। फिर हाथ जोड़कर श्रीमान से प्रार्थना करने लगी, महाराज कृपा करके इस टोकरी को ज़रा हाथ लगाइए जिससे कि मैं उसे अपने





सिर पर धर लूँ ।

जमींदार साहब पहले तो बहुत नाराज़ हुए । पर जब वह बार-बार हाथ जोड़ने लगी और पैरों पर गिरने लगी तो उसके मन में कुछ दया आ गई ।

किसी नौकर से न कहकर आप ही स्वयं टोकरी उठाने आगे बढे । ज्योंही टोकरी को हाथ लगाकर ऊपर उठाने लगे, त्योंही देखा कि यह काम उनकी शक्ति के बाहर है। फिर तो उन्होंने अपनी सारी ताकत लगाकर टोकरी को उठाना चाहा, पर जिस स्थान पर टोकरी रखी थी। वहाँ से वह एक हाथ भी ऊँची न हुई । वह लज्जित होकर कहने लगे, “नहीं, यह टोकरी हमसे न उठाई जाएगी?”

यह सुनकर विधवा ने कहा “महाराज नाराज न हों, आपसे एक टोकरी – भर मिट्टी भी नहीं उठाई जाती और इस झोंपड़ी में तो हजारों टोकरियों की मिट्टी पड़ी हैं । उसका भार आप जन्म-भर कैसे उठा सकेंगे ? आप ही इस बात पर विचार कीजिए ।”

जमींदार साहब धन-मद से गर्वित हो अपना कर्तव्य भूल गए थे, पर विधवा के उपर्युक्त वचन सुनते ही उनकी आँखें खुल गयीं । कृतकर्म का पश्चाताप कर उन्होंने विधवा से क्षमा माँगी और उसकी झोंपड़ी वापस दे दी ।





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ –

- | | |
|------------------------------|---------------------|
| 1. हाता - अहाता | 2. बहुतेरा – अधिक |
| 3. धारा – बहाव | 4. आज्ञा – आदेश |
| 5. अदालत – न्यायालय | 6. मद – घमंड |
| 7. इकलौता – एक मात्र | 8. पूर्व – पुरानी |
| 9. आँख खुली – गलती मालुम हुई | 10. जन्म-भर - आजीवन |

II. विलोम शब्द लिखिए

- | | | |
|--------------------|-----------------|-----------------|
| 1. भीतर x बाहर | 2. आगे x पीछे | 3. पुरानी x नयी |
| 4. इच्छा x अनिच्छा | 5. झोपड़ी x महल | |

III. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. झोपड़ी के भीतर जाने पर विधवा की आँख में आँसू क्यों आये?
2. विधवा को अपनी झोपड़ी वापस कैसे मिली?
3. जमींदार के महल के पास क्या थी?
4. जमींदार ने विधवा की झोपड़ी कैसे ली ?
5. विधवा ने जमींदार से क्या प्रार्थना की ?



एक बार किसी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानन्द से पूछा, “अब तक के जीवन में आप कितनी बार डरे हैं और कब ?”

स्वामी जी बोले – मैं एक बार डरा हूँ। उस समय में छोटा था और सत्य की खोज में निकला था। घूमते घूमते मैं काशी पहुँचा। मैंने वहाँ कई मंदिर देखे।

चलते – चलते मैं एक तालाब के किनारे पहुँचा। दोपहर का समय था। आस-पास कोई नहीं थे। मुझे डर लगने लगा। तालाब के किनारे एक मंदिर था। वहाँ भी कोई नहीं था। तालाब के किनारे बहुत-से पेड़ थे। उन पेड़ों पर बंदर बैठे हुए थे। एक बहुत बड़ा बंदर मेरी ओर दौड़ा। उसने जोर से दाँत किट किटाए और पेड़ पर चढ़ गया। उसे देखकर मैं बहुत डर गया था। मुझे डरा हुआ देखकर सारे बन्दर मेरे करीब आ गए। उन्होंने चारों ओर से मुझे घेर लिया। वे मेरे आगे-पीछे उछल-कूद करने लगे। मैं तेजी से चलने लगा। बंदर भी तेज चलने लगे। मैं भागने लगा। वे भी साथ-साथ भागकर मुझे डराते रहे।



अचानक एक आवाज आई – भागो नहीं मुकाबला करो। यह सुनकर मैं रुक गया। मैंने देखा, एक साधु उसी तालाब से स्नान करके निकला था। वह



बूढ़ा साधु मेरे सामने खड़ा होकर बोला – डरो मत, इनका सामना करो ।

साधु को सामने देखकर मेरा साहस लौट आया । मैंने इधर-उधर देखा । पास ही एक मोटी-सी लकड़ी पड़ी थी। मैंने उसे उठा लिया । फिर मैं लकड़ी हाथ में पकड़कर बंदरों की ओर दौड़ा । मुझे अपनी ओर आता देख सभी बंदर भाग गए। वह बड़ा बंदर भी भाग गया । अब मेरा डर दूर हो गया था । मैंने उस लकड़ी से सारे बंदरों को भगा दिया था ।

साधु बोला – बालक तू भाग क्यों रहे थे । मैंने कहा – मैं डर गया था ।

साधु बोला – अब भी तो मैंने कुछ नहीं किया । तुमने स्वयं साहस करके बंदरों का सामना किया और उन्हें भगा दिया है। इस घटना के बाद मेरा डर हमेशा के लिए दूर हो गया ।



अभ्यास

1. सही विकल्प पर चिह्न (✓) लगाइए –

1. स्वामी जी जीवन में कितनी बार डरे ?

1. दो बार ☐

2. चार बार ☐

3. एक बार ☐

2. स्वामी जी घूमते – घूमते कहाँ पहुँचे ?

1. मथुरा ☐

2. आगरा ☐

3. काशी ☐

3. स्वामी विवेकानंद ने मंदिर कहाँ देखे ?

1. वृंदावन में ☐

2. काशी में ☐

3. नेपाल में ☐

4. तालाब के किनारे क्या था?

1. एक मंदिर ☐

2. साँप का बिल ☐

3. पीपल का पेड़ ☐

5. बन्दर कहाँ बैठे हुए थे ?

1. पेड़ों पर ☐

2. मकानों पर ☐

3. मंदिर की छत पर ☐





II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. स्वामीजी से व्यक्ति ने क्या प्रश्न किया?
2. स्वामीजी क्यों भाग रहे थे?
3. स्वामीजी किसे देखकर डर गए ?
4. किसे देखकर स्वामी जी का साहस लौट आया था ?
5. स्वामीजी ने बंदरों को कैसे भगाया ?
6. हमें इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती हैं।
7. व्यक्ति साहसी कब बनता है?
8. स्वामिजी का डर कैसे दूर हुआ?



सुबह के दस बज गए थे। राजन अभी तक सो रहा था। माँ ने आवाज दी, “बेटा ! दस बज गए, जल्दी उठो।” नाश्ता भी करना है। राजन ने कहा नहीं माँ। अभी और सोना है। आज से तो हमारी छुट्टियों की शुरूआत हो गई है।



माँ ने बड़ी मुश्किल से राजन को जगाया और नाश्ते के लिए बुलाया। नाश्ता करके राजन खेलने चल दिया तो माँ ने रोका “बेटा छुट्टियों का काम नहीं मिला क्या?” राजन ने जवाब दिया, मिला है माँ, कर लूँगा बाद में, अभी तो बहुत छुट्टियाँ हैं। माँ राजन की इस आदत से परेशान थी। वह कोई भी काम समय पर नहीं करता था। माँ ने बार-बार समझाया पर वह टालता रहा।

माँ ने कहा, “बेटा आज तुम्हारे चाचा जी के बच्चे आ जाएँगे, फिर तुम उनके साथ खेलने में सब भूल जाओगे। इसलिए पहले काम पूरा कर लो, बाद में आराम से खेलते रहना। राजन ने माँ की बात पर ध्यान नहीं दिया और खेलने चला गया।”

शाम को राजन के चाचा जी के बच्चे, मीना और राम भी आ गए। राजन उनके साथ खेलने और घूमने में छुट्टियाँ के काम करने की बात बिलकुल भूल गया। धीरे-धीरे सब छुट्टियाँ खत्म हो गई। मीना और राम भी अपने घर चले गए। कल से तो स्कूल जाना है। अब राजन को याद आया कि उसने अपना काम



तो किया ही नहीं।

अब राजन रोते –
रोते माँ के पास आया और
बोला, “माँ सुबह स्कूल
जाना है और मेरा काम तो
हुआ ही नहीं।”



माँ ने जवाब दिया
“अब तुम्हे समझ आया,
सही समय पर काम न करने का परिणाम। अगर तुम समय पर काम कर लेते
तो अब रोना नहीं पड़ता।”

अब करो रात भर काम। जितना हो पाए, उतना अच्छा बाकी के लिए
कल स्कूल में डाँट खाना और कल पूरा करना। आज राजन को अपनी माँ की
बात न मानने और सही समय पर काम न करने की आदत पर बहुत पछतावा
हो रहा था। आखिर उसने माँ से वादा किया कि अब वह उनकी सब बात
मानने लगा। फिर माँ के कहे अनुसार उसने रात भर बैठकर काम किया।

उसकी हिम्मत बढ़ाने के लिए माँ भी उसके साथ बैठी रही। सुबह तक
राजन का सब काम पूरा हो गया। उसको स्कूल में डाँट नहीं पड़ी लेकिन उसने
समय पर काम पूरा करने का सबक सीख लिया था।

सीख – हमें सब काम उचित समय पर करना चाहिए।





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

1. टोकना – किसी बात , याद दिलाना
2. जवाब – उत्तर
3. हिम्मत - साहस

II. सही विकल्प पर चिह्न (✓) लगाइए –

1. राजन के लिए किस बात की शुरूआत हुई थी ?
 1. स्कूल की ☐
 2. छुट्टियों की ☐
 3. आराम की ☐
2. राजन के चाचा जी के बच्चों के क्या नाम थे ?
 1. राम और उमा ☐
 2. राम और मीना ☐
 3. राम और सीता ☐
3. राजन अपना काम _____ ?
 1. समय पर करता था ☐
 2. कभी कभी समय पर करता था ☐
 3. कभी भी समय पर नहीं करता था ☐
4. राजन ने अपना काम _____ ?
 1. पूरा नहीं किया ☐
 2. सही समय पर किया ☐
 3. रात भर जागकर पूरा किया ☐

III. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. राजन देर से क्यों उठा ?
2. माँ राजन की किस आदत से परेशान थीं?
3. राजन के घर कौन आया?
4. राजन को किस बात का पछतावा हुआ?
5. राजन ने अपनी छुट्टियों का काम कैसे पूरा किया ?





Term III

तीसरा सत्र





पद्य

14

कौन

किसने जिल्द काट डाली है?
बिखर गए पोथी के पन्नेर।
रोज़ टांगता धो-धोकर मैं
कौन उठा ले जाता छन्नै?

कुतर-कुतर कर कागज़ सारे
रद्दी से घर को भर जाता।
कौन कबाड़ी है जो कूड़ा
दुनिया भर का घर भर जाता?

कौन रात भर गड़बड़ करता?
हमें नहीं देता है सोने,
खुर-खुर करता इधर-उधर है
ढूँढा करता छिप-छिप कोने?

रोज़ रात-भर जगता रहता
खुर-खुर इधर-उधर है धाता
बच्चों उसका नाम बताओ
कौन शरारत यह कर जाता?



-सोहनलाल द्विवेदी





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

1. शरारत – मस्ती
2. छन्ना – झरनी, छलनी
3. कबाडी – निकृष्ट
4. रस्सी – धागा
5. कूडा – गंदगी, मैले

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. 'कौन' कविता किसकी रचना है ?
2. कौन कागज को कुतर डालता है?
3. कबाडी क्या ले जाता है ?
4. कौन रात-भर जागता रहता है ?



पेड़ लगाओ , पेड़ लगाओ ,
हरा भरा जीवन बनाओ।
छाया ये हमको देते हैं ,
फल ये हमको देते हैं।
बाढ़ से हमको बचाते हैं ,
प्रदूषण दूर करते हैं,
हम भी पेड़ लगायेंगे ,
संसार को हरा भरा बनाएँगे।



पेड़ों की शोभा है न्यारी
फूल खिले हैं क्यारी-क्यारी !
हरे भरे यह पेड़ रहें
जीवन में नव रंग भरें !
हरियाली में मंगल है,
हरियाली ही जीवन है !



अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

- | | |
|--------------------|----------------------|
| 1. संसार – जग | 2. पेड़ – वृक्ष |
| 3. मंगल – शुभ | 4. हरियाली – हरा भरा |
| 5. नव – नया | 6. शोभा – सुन्दर |
| 7. हटान – दूर करना | |

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. हरा-भरा जीवन कैसे बनता है?
2. कवि क्या लगाने को कहते हैं?
3. पेड़ों से हमें क्या लाभ हैं?
4. जीवन का संदेश क्या है?
5. पेड़ किससे हमारी रक्षा करते हैं ?





सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के 'लौह पुरुष' के नाम से जाने जाते हैं। उनका जन्म 31 अक्टूबर 1879 को नडियाद (गुजरात) में हुआ था। मैट्रिक की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद उन्होंने वकालत की परीक्षा पास कर ली। इसके बाद गोधरा में वकालत का कार्य करने लगे।

कठिनाइयाँ उन्हें झुका नहीं सकती थीं, भय उन्हें डरा नहीं सकता था। जब वे बालक थे तब भी उनमें यही निर्भीकता थी। उनके बचपन की एक घटना है – उनकी काँख में एक फोडा हुआ था। एक गँवार वैद्य ने दवा बताई लोहा गरम करके फोडे में भोंक दो। बालक बल्लभभाई झट तैयार हो गया।



लोहा गरम हुआ। भोंकनेवाले ने उसे अपने हाथ में लिया, पर उसका दिल इस कोमल बालक को देखकर काँप गया। वह हिचकिचाने लगा। बालक झुंझला उठा, क्या देख रहा है भाई? लोहा ठंडा हो रहा है। ले तुमसे नहीं बनता, तो मैं भोंक लूँ। भोंकनेवाला दंग रह गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता आंदोलन में कई बार जेल गए। सन् 1931 में कराची काँग्रेस अधिवेशन की उन्होंने अध्यक्षता की। स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने बढ-चढ कर भाग लिया। वल्लभ भाई एक कुशल संगठन कर्ता भी थे। आज़ादी के बाद 556 छोटी छोटी रियासतों को उन्होंने भारत देश में शामिल करवाया।

सन् 1947 से सन् 1950 तक वे भारत के उप प्रधान मंत्री और गृहमंत्री भी रहे। सरदार वल्लभ भाई पटेल ज्यादा बोलते नहीं थे। वे बोलते कम थे करते अधिक थे। वे गरजने वाले मेघ नहीं बरसने वाले मेघ थे। उनकी मुख मुद्रा से उनकी आंतरिक शक्ति का पता चलता था।

सरदार वल्लभ भाई एक योद्धा, एक सफल सेनानी और एक सिपहसालार थे। 15 दिसंबर 1950 को उनका देहांत हुआ। मरणोपरांत उन्हें भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया।





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ –

लौह पुरुष – दृढ़ चित्त वाला पुरुष

काँख – बाहुमूल के नीचे का गड़ढा

दंग – आश्चर्य

सिपाहसालार – सेनापति

निर्भिकता – निडरता

भौंकना – धंसाना, चुभाना

गरजना – आवाज करना

मरणोपरांत – मरने के बाद

II. नमूने के अनुसार शब्द बनाइये :-

सुधार – सुधारक

1. प्रचार - प्रचारक

2. विचार – विचारक

3. उद्धार – उद्धारक

4. परीक्षा – परीक्षक

III. कोष्ठक में सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिए

मोहन कुर्सी पर _____ हैं। (बैठा)

(बैठा, बैठे, छड़े, लेटे, खड़ी)

1. अमित जी बिस्तर पर _____ हैं।

2. बंदर छत पर _____ हैं।

3. माताजी के पास _____ हैं।

4. तुम यहाँ क्यों _____ हो ?

5. कुछ बच्चे भी वहाँ _____ हैं।



IV. प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1. सरदार वल्लभ भाई पटेल किस नाम से जाने जाते हैं ?
2. गँवार वैद्य ने फोडे के इलाज के लिए क्या उपाय बताई?
3. सरदार वल्लभभाई पटेल ने वकालत का कार्य कहाँ से शुरू किया?
4. आजादी के बाद वल्लभभाई पटेल ने किस पद पर कार्य किया ?
5. भारत सरकार ने वल्लभभाई पटेल को किस उपाधि से सम्मानित किया गया ?
6. सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म कब और कहाँ हुआ ?





केरल सुंदर प्रदेश है। केरल के प्रकृति की अनुपम छटा मन को मोह लेती है। यहाँ के लोगों का रहन-सहन, रीति-रिवाज़ आदि त्योहारों में देखी जा सकती हैं। मलयालम में ताड़ वृक्षों को केरा कहते हैं। केरल में ताड़ के वृक्षों की कतारें हैं। इसी से इस राज्य का नाम केरल पड़ा है। इसकी राजधानी तिरुअनंतपुरम् है। इस प्रदेश की भाषा मलयालम है।

केरल भौगोलिक दृष्टि से पर्वतीय क्षेत्र है। अरब सागर के तटवर्ती क्षेत्र भी शामिल है। यहाँ नदियाँ और स्वच्छ जल से भरे तालाब हैं। केरल का कथकली



नृत्य प्रसिद्ध है। केरल में दो प्रकार की जलवायु पाई जाती हैं। एक तो समुद्र तट की समशीतोष्ण जलवायु और दूसरी पहाड़ी स्थलों की सुरम्य जलवायु है। समुद्री झीलों का आकर्षण देखते ही बनता है।

त्योहारों में “औणम” सबसे प्रमुख है। केरल में नौका दौड़, ईद आदि अन्य त्योहार भी बड़े उल्लास से मनाए जाते हैं। केरल एक कृषि प्रधान राज्य है। नारियल, रबर, काली-मिर्च की खेती यहाँ अधिक मात्रा में होती है। चावल यहाँ की प्रमुख फसल है। मसालों के उत्पादन में केरल अव्वल है। इसी कारण केरल को “मसालों का प्रदेश” कहा जाता है।

केरल का हस्तशिल्प भी दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। केरल में पटे-लिखे लोग ज्यादा है। केरल में परम्परागत शिक्षा के बजाय व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा पर ज़ारि दिया जाता है। केरल सबका आकर्षण का केन्द्र है।





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ –

- | | | |
|-------------------------|------------------------|----------------------|
| 1. स्थल – स्थान | 2. शामिल – जुड़ा, मिला | 3. अनुपम – बढ़िया |
| 4. स्वच्छ – साफ़ | 5. त्योहार – उत्सव | 6. सुन्दर – रम्य |
| 7. कतार – पंक्ति | 8. प्रमुख – मुख्य | 9. परम्परागत-प्राचीन |
| 10. शिक्षित – पढ़े-लिखे | 11. प्रसिद्ध – विख्यात | 12. उल्लास – खुशी |

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. केरल प्रांत का नाम “केरल” क्यों पड़ा ?
2. केरल के लोगों की भाषा क्या है?
3. केरल का प्रमुख त्योहार क्या है?
4. केरल की जलवायु क्या-क्या हैं?
5. केरल का प्रमुख उत्पादन क्या-क्या हैं?
6. केरल को मसालों का देश क्यों कहा जाता है?
7. केरल के लोग किन-किन त्योहारों को मनाते हैं?
8. केरल में किन-किन शिक्षाओं पर जोर दिया जाता है?
9. केरल की प्रमुख फसल क्या है?
10. केरल को हरा-भरा केरल क्यों कहते हैं?





III. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ –

- (a) (i) केरला में निरक्षर लोग बहुत हैं। ☐
- (ii) केरला में साक्षरता की दर सबसे अधिक हैं। ☐
- (iii) साक्षरता की दर सबसे कम है। ☐
- (iv) शिक्षा के बजाय रोज़ी – रोटी कमाने पर जोर देते हैं। ☐
- (b) 'केरल' में किस प्रकार की शिक्षा पर ज़ोर दिया जाता है:
- (a) परंपरागत शिक्षा - ☐
- (b) तकनीकी शिक्षा - ☐
- (c) व्यावसायिक शिक्षा - ☐
- (d) तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा - ☐





गद्य

18

सच्चा न्याय



सिंकदर यूनान देश का बादशाह था। वह बड़ा बहादुर था। उसने बहुत-से देश जीते थे। एक बार उसने हिंदुस्तान पर चढ़ाई की और पंजाब के कुछ हिस्सों को जीत लिया।

एक दिन घूमता हुआ वह एक छोटे गाँव में जा पहुँचा। वहाँ एक किसान का झोंपड़ा था। वह किसान उस गाँव का मुखिया था। उसने सिंकदर की बड़ी खातिर की और उसको आसन पर बिठाया। इसके बाद वह एक चाँदी की थाली में खाद्य पदार्थ और कुछ अशर्फियाँ लेकर बादशाह के सामने हाज़िर हुआ। खाद्य पदार्थों के साथ अशर्फियों को देखकर सिंकदर हँसा। उसने किसान से पूछा – “क्या तुम लोग खाने-पीने की चीज़ों के साथ सोना भी खाते हो?”

किसान ने जवाब दिया – “नहीं महाराज, हम लोग सोन नहीं खाते।” लेकिन हमने सुना था कि आप सोने की तलाश में अपना घर छोड़कर इतनी दूर आये हैं। इसलिए मैं यह भेंट आपके सामने लाया हूँ। आप कृपा करके इस ले लीजिए।

सिंकदर ने जवाब दिया – “नहीं-नहीं, मैं धन-संपत्ति की खोज में हिंदुस्तान नहीं आया हूँ। मैं तुम लोगों के रस्म-रिवाज़ देखने के लिए आया हूँ।”

इतने में उसी गाँव के दो आदमी अपनी पंचायत लेकर मुखिया के पास पहुँचे। एक आदमी ने कहा – “मैंने इस आदमी से एक खेत मोल लिया था। उस खेत में मुझे अशर्फियों से भरा हुआ एक घड़ा मिला है। यह घड़ा मेरा नहीं है, क्योंकि मैंने इससे सिर्फ़ खेत मोल लिया है, घड़ा नहीं लिया। मैं उस घड़े को इसे देता हूँ तो यह लेता नहीं है। मेहरबानी करके आप इसे समझा दीजिए।”





यह सुनकर मुखिया ने दूसरे आदमी से पूछा – “तुमको क्या कहना है?”

दूसरे आदमी ने कहा – “मैंने जब अपना खेत इस आदमी को बेच दिया तब खेत में पैदा होनेवाली और मिलनेवाली चीज़ भी बेच दीं। इसलिए अब उस खेत में अनाज़ पैदा ही या अशिर्फियाँ, सब इस आदमी का है। इसके भाग्य से उस खेत में अशिर्फियों का घड़ा मिला। मैं उस घड़े को नहीं ले सकता।”



मुखिया ने यह सुनकर थोड़ी देर सोचा। उसके बाद उसने दोनों से पूछा कि क्या तुम्हारे घर में शादी के लायक लड़का या लड़की हैं? एक ने कहा, “हाँ, मेरे घर में लड़का है”। दूसरे ने कहा, “हाँ हाँ, मेरे घर में मेरी बेटी शादी के लिए तैयार है।”

तब मुखिया ने हँसते हुए कहा – अच्छा हुआ। तुम लोग उन दोनों की शादी करवा दो और यह घड़ा उन्हें भेंट के रूप में दे दो।

यह फैसला सुनकर दोनों किसान बहुत खुश हुए। वे मुखिया को नमस्कार करके निकल गये।

इस पंचायत को देखकर सिंकंदर को बहुत आश्चर्य हुआ। उसने मुखिया से कहा – भाई, मैं यही देखने के लिए यहाँ आया था। मैंने सुन रखा था कि हिंदुस्तान के लोग बड़े ईमानदार और उदार होते हैं। किसी के दिल में कोई लालच नहीं होता। आज इन बातों को मैंने अपनी आँखों से देख लिया।

यह कहकर सिंकंदर वहाँ से चला गया।





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

- | | | |
|--------------------|---------------------|------------------|
| 1. पंचायत – न्याय | 2. उदार – दयावान | 3. ईमानदार – नेक |
| 4. भेंट – पुरस्कार | 5. नमस्कार – प्रणाम | 6. खातिर – आदर |
| 7. चराई – आक्रमण | 8. चीज़ – वस्तु | 9. मोल - खरीद |

II. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. सिकन्दर कौन था?
2. सिकन्दर किसान के घर क्यों आया?
3. सिकन्दर के अशर्फियाँ देखकर क्या कहा?
4. किसान ने इन्साफ़ कैसे किया?
5. सिकन्दर ने किसान से क्या कहा?
6. हिंदुस्तान के लोग कैसी हो?





बहुत समय पहले, एक राजकुमार थे। उनका नाम सिद्धार्थ था। वे सबसे प्यार करते थे। एक बार वे जंगल में घूमने गए। उन्होंने वहाँ एक हंस देखा। हंस के शरीर में एक तीर धँसा हुआ था। उसके घाव से खून बह रहा था। हंस पीड़ा से बुरी तरह तड़प रहा था। देखते-ही-देखते वह बेहोश हो गया।

सिद्धार्थ ने हंस को उठा लिया। उसके शरीर में धँसा तीर निकाला। अपने शरीर का कपड़ा हंस के घाव पर लपेटा। फिर हंस को लेकर वे नगर की ओर चल दिए। तभी उनका चचेरा भाई देवदत्त वहाँ आ गया। उसने सिद्धार्थ से कहा, “इस हंस को मैंने मारा है। यह मेरा है। इसे मुझे दे दो।”

सिद्धार्थ बोले, “तुमने इसे तीर मारा है। मैंने इसे बचाया है। मैं इसका इलाज कराऊँगा। जब यह पूरी तरह ठीक हो जाएगा, तब न्यायाधीश के पास



चलेंगे। न्यायाधीश जो न्याय करेंगे, वही हम मानेंगे।”

देवदत्त ने यह बात मान ली। सिद्धार्थ ने हंस की मरहम-पट्टी कराई। वे उसे खूब प्यार करते थे। उसे गोद में उठाकर घुमाते थे। हंस भी सिद्धार्थ से प्यार करने लगा था। कुछ दिनों के इलाज से हंस ठीक हो गया। हंस के ठीक जाने उसे लेकर सिद्धार्थ और देवदत्त न्यायालय गए। सिद्धार्थ ने न्यायाधीश को पूरी बात बताई और कहा, “मैंने हंस को बचाया है, इसलिए यह मुझे मिलना चाहिए।”

देवदत्त बोला, “इसे मैंने तीर से मारा है। यह हंस मेरा है। इसे मैं लूँगा।” न्यायाधीश ने दोनों की बातें ध्यान से सुनीं। उन्होंने उस हंस को देखा और कहा “मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है, इसलिए हंस सिद्धार्थ को मिलना चाहिए।”

देवदत्त ने कहा, “यह अन्याय है। हंस मेरा है। इसे मैं ही लूँगा।”

न्यायाधीश ने कहा, “ठहरो, देवदत्त! यह बात ठीक नहीं है। इस हंस को बीच में छोड़ दिया जाए। यदि हंस सिद्धार्थ के पास जाएगा तो सिद्धार्थ को मिलेगा। यदि तुम्हारे पास आएगा तो तुम्हे मिलेगा।”

देवदत्त ने कहा, “ठीक है।”

हंस को बीच में छोड़ दिया गया। सिद्धार्थ तथा देवदत्त दोनों ने हंस की ओर हाथ फैलाए और उसे पुकारा। हंस देवदत्त को देखकर डर गया। फिर उसने सिद्धार्थ को देखा और देखते ही उड़कर सिद्धार्थ की गोद में चढ़ गया। इस प्रकार हंस सिद्धार्थ को मिल गया।

जान लेने वाले से जान बचाने वाला बड़ा होता है। हमें पशु-पक्षियों पर दया करनी चाहिए।





अभ्यास

I. कठिन शब्दार्थ

1. धँसा हुआ – चुमा हुआ, गड़ा हुआ, भीतर घुसा हुआ
2. चचेरा – चाचा का पुत्र
3. न्यायाधीश – न्याय करने वाला अधिकारी, जज
4. न्यायालय – अदालत, कोर्ट

II. सही विकल्प पर चिह्न (✓) लगाइए –

1. सिद्धार्थ कौन थे ?

1. ☐ राजा

2. ☐ राजकुमार

3. ☐ युवराज

2. हंस के शरीर में क्या धँसा हुआ था ?

1. ☐ तीर

2. ☐ भाला

3. ☐ काँटा

3. सिद्धार्थ ने किसे उठा लिया?

1. ☐ तीर-कमान को

2. ☐ हँस को

3. ☐ भाले को

4. हंस को लेकर सिद्धार्थ कहाँ चल दिए ?

1. ☐ नगर की ओर

2. ☐ गाँव की ओर

3. ☐ वैद्य के पास

5. देवदत्त कौन था ?

1. ☐ सिद्धार्थ का भाई

2. ☐ सिद्धार्थ का चचेरा भाई

3. ☐ सिद्धार्थ का दोस्त

6. सिद्धार्थ ने किसकी मरहम-पट्टी की ?

1. ☐ हंस की

2. ☐ अपने पैर की

3. ☐ देवदत्त की





III. किसने, किससे कहा ? सही विकल्प पर चिह्न (✓) लगाइए –

1. “इस हंस को मैंने मारा है। यह मेरा है। ”

1. ☐ देवदत्त ने सिद्धार्थ से

2. ☐ सिद्धार्थ ने देवदत्त से

2. “जब यह पूरी तरह ठीक हो जाएगा, तब न्यायाधीश के पास चलेंगे।”

1. ☐ सिद्धार्थ ने देवदत्त से

2. ☐ देवदत्त ने सिद्धार्थ से

3. “मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है।”

1. ☐ सिद्धार्थ ने न्यायाधीश से

2. ☐ न्यायाधीश ने सिद्धार्थ और देवदत्त से

IV. प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. राजकुमार सिद्धार्थ का स्वभाव कैसा था?

2. हंस को तीर किसने मारा था?

3. सिद्धार्थ और देवदत्त न्यायाधीश के पास क्यों गए?

4. न्यायाधीश ने कैसे न्याय किया?

5. इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है? अपने शब्दों में बताइए।





सत्र II, III व्याकरण



1. वर्ण - वर्ण भाषा की इकाई है।
2. वर्ण माला - वर्णों का समूह वर्ण माला है।
3. शब्द - शब्द स्वर और व्यंजन का मेल है।
4. भाषा - भाषा विचार विनिमय का साधन है।
5. लिपि - लेखन शैली लिपि है।
6. वाक्य - शब्दों का विकसित रूप वाक्य है।
7. लिंग - लिंग जाती का बोध कराता है।
8. वचन - वचन संख्या का बोध कराता।
9. काल - काल समय का बोध कराता है।
10. व्याकरण - व्याकरण भाषा का व्यवस्थित रूप है।

संज्ञा – नाम बतानेवाला शब्द संज्ञा कहते हैं।

जैसे रोहन, कलम, बिल्ली आगरा आदि

संज्ञा के पाँच भेद होते हैं।

व्यक्तिवाचक, जाति वाचक, भाव वाचक, द्रव्य वाचक, समूह वाचक,

सर्व नाम – संज्ञा के बदले में आनेवाला शब्द सर्वनाम है।

उदा: मैं, तुम, हम, आप, वह, यह, वे, ये, आदि :

सर्व नाम के छे भेद हैं।

पुरुष वाचक, निश्चय वाचक, अनिश्चय वाचक, प्रश्न वाचक, निज वाचक,



संबंधवाचक,

क्रिया – क्रिया का अर्थ होना या – करना है। उदाहरण के लिए - पढ़ना, बोलना, खाना आदि।

क्रिया के चार भेद हैं। संयुक्त क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया, नाम धातु क्रिया, पूर्ण कालिक क्रिया

विशेषण – संज्ञा और सर्व नाम की विशेषता बतलानेवाला शब्द विशेषण हैं।

जैसे - वह घर सुंदर है।

विशेषण के चार भेद हैं – गुणवाचक, संख्या वाचक, परिणाम वाचक सार्वनामिक





21

लिंग बताइए

1. कवि	-	पुल्लिंग	11. सिंह	-	पुल्लिंग
2. धोबी	-	पुल्लिंग	12. भिखारी	-	पुल्लिंग
3. सेवक	-	पुल्लिंग	13. सेठ	-	पुल्लिंग
4. देवर	-	पुल्लिंग	14. सेविका	-	स्त्रीलिंग
5. पुरुष	-	पुल्लिंग	15. साहिबा	-	स्त्रीलिंग
6. नौकरानी	-	स्त्रीलिंग	16. सास	-	पुल्लिंग
7. छात्रा	-	स्त्रीलिंग	17. चुहिया	-	स्त्रीलिंग
8. विद्यार्थिनी	-	स्त्रीलिंग	18. सुनार	-	पुल्लिंग
9. औरत	-	स्त्रीलिंग	19. मालकिन	-	स्त्रीलिंग
10. रानी	-	स्त्रीलिंग	20. अभिनेत्री	-	स्त्रीलिंग





22

वचन बताइए

1. पौधा	-	एकवचन
2. कुत्ता	-	एकवचन
3. गली	-	एकवचन
4. कलम	-	एकवचन
5. माता	-	एकवचन
6. बकरे	-	बहुवचन
7. कुर्सियाँ	-	बहुवचन
8. बुढियाँ	-	बहुवचन
9. कलाएँ	-	बहुवचन
10. किताबें	-	बहुवचन
11. आँख	-	एकवचन
12. बहू	-	एकवचन
13. कथा	-	एकवचन
14. बच्चे	-	बहुवचन
15. केले	-	बहुवचन
16. महीना	-	एकवचन
17. गाडियाँ	-	बहुवचन
18. दूकाने	-	बहुवचन
19. साडी	-	एकवचन
20. तस्वीरें	-	बहुवचन





Hindi – Std IV

List of Authors and Reviewers

Chairperson

Dr. M. Seshan,
Professor (Retd.),
Head of the Department. (Hindi)
D.G. Vaishnav College, Arumbakkam, Chennai.

Coordinator

K. Chandrasekaran,
Lecturer, DIET, Chennai.

Reviewer

Dr. Kokila P.C.,
Associate Professor (Retd.),
Head of the Department. (Hindi)
Presidency College, Chennai.

Authors

S. Anandakrishnan, M.A., M.Ed.,
Headmaster (Retd.)
The Hindu Hr. Sec. School, Triplicane, Chennai.

S. Satyanarayanan, M.A., M.Ed.,
PG Asst. in Hindi (Retd.)
Kesari Hr. Sec. School, Mylapore, Chennai.

M. Gabriel Govindaraju, M.A., B.Sc., B.Ed.,
Lecturer in Hindi (Retd.)
Navalar Nedunchezhin GHSS, Lawspet, Puducherry.

S. Muralidharan, M.A., B.Ed.,
PG Asst.,
Jawahar Higher Secondary School, Ashok Nagar, Chennai.

O.V.S. Mallika, M.A., B.Ed., M.Phil.,
B.T. Asst.,
Kesari Hr. Sec. School, Mylapore, Chennai.

R. Radjamohane, M.A., B.Ed.,
Lecturer in Hindi
Jeevanandam GHSS, Karamanikuppam,
Directorate of School Education, Puducherry.

Art and Design Team

Layout

Thy Designers

QC

Asker Ali

Wrapper Design

Kathir Arumugam

Co-ordination

Ramesh Munisamy

Typist

Smt. V.V. Shanthi

This book has been printed on 80 GSM
Elegant Maplitho paper.

Printed by offset at:



NOTE





NOTE



NOTE





NOTE





NOTE

